तीखी नज़र

एनीटाइम न्यूज

तीखे सवाल

राष्ट्रिय हिंदी समाचार पत्र · वेब पोर्टल · यू-ट्यूब चैनल

www.anytimenews.today

वर्षः08 अंकः 18 | लखनऊ, शुक्रवार 1-7 जुलाई 2023 | www.anytimenews.today | पृष्ठः8 | मूल्यः2

शिया महाविद्यालय में इमाम अली रजा भवन का राज्यपाल ने किया उद्घाटन

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शिया महाविद्यालय के कला संकाय के भवन इमाम अली रजा(अ.स) ब्लाक का फीता काट कर उद्घाटन किया। उद्घाटन से पूर्व महाविद्यालय के 'के हाल' में उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए माननीय राज्यपाल महोदया ने कहा कि चाहे आप के पास जितनी भी धन-दौलत हो वह अगली पीढ़ियों तक मुश्किल से जाती है, क्योंकि यह समाप्त होने वाली चीज है। वहीं शिक्षा एक ऐसी दौलत है, जोकि कई पीढ़ियों तक जाती है। राज्यपाल महोदया के आगमन पर उनकी आगवानी करते हुए प्रबन्ध-समिति के अध्यक्ष प्रो0 अजीज हैदर, महाविद्यालय के प्रबन्धक एस0 अब्बास मुर्तजा शम्सी ने पौधा भेंट किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कुल पति, लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रो0 आलोक कुमार राय समय से पूर्व आकर माननीय राज्यपाल महोदया का स्वागत करने के लिए कालेज प्रबन्ध-समिति के साथ खड़े थे। राज्यपाल महोदया के स्वागत में एनसीसी के कैडेट, एन.एस.एस के स्वयं सेवक, कल्चरल कमेटी और ग्रीन कमेटी के वालेंटियर गेट से लेकर हाल तक कतारबद्ध तरीके से खड़े थे और राज्यपाल महोदया के आने पर विशेष ताली व पुष्प वर्षा करके किया गया। उद्घाटन सत्र का संचालन महाविद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ. एम0 एम0 एजाज अब्बास ने किया। उद्घाटन सत्र को आगे सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सौ साल पहले महिलाओं की शिक्षा को लेकर समाज में जागरूकता नहीं थी और ना ही उनकी शिक्षा को प्राथमिकता दी जाती थी। पहले के समाज में यह सोच रहती थी कि महिलाएं केवल घरेलू काम-काज के लिए ही बनी है। मुझे यह जानकर बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि शिया महाविद्यालय में बेटे-बेटियों की शिक्षा की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए इस कालेज की नींव 104 वर्ष पहले रखी गई थी। जो आज भी कायम है। अपनी निजी शिक्षा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे गाँव में बेटियों की शिक्षा के लिए कोई प्रबंध नहीं होते थे। केवल महिला शिक्षा के लिए कक्षा-4 तक की कक्षाओं तक का स्कूल था और वो भी मेरे गाँव से 4 किलोमीटर दूर दूसरे गाँव में स्थित था। मेरे परिवार में शिक्षा को लेकर काफी जागरूकता थी, जिसके चलते जब मैं कक्षा 5 में आयी तो मेरा एडमिशन ऐसे स्कूल में कराया गया जहाँ में अकली लड़की हुआ करती थी। नई शिक्षा नीति के बारे में छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मेरा तीस साल का बतौर शिक्षिका और बीस साल सरकारी विभागों में खासकर शिक्षा विभाग के कार्या में अनुभव रहा है। पहले दस-दस साल तक पाठ्यक्रम नहीं बदलते थे। अब नई शिक्षा नीति को मजबूती से लागू किया जा रहा है। जिससे छात्र-छात्राओं को अपनी जिज्ञासा के अनुसार विषय चुनने की प्राथमिकता दी जा रही है। शिया महाविद्यालय को नैक मे 'ए' ग्रेड मिलने पर कालेज प्रबंधन को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि पहले प्रयास में कालेज ने 'ए' ग्रेड प्राप्त किया है जो अपने आप में कीर्तिमान है। कालेज में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है, लिहाजा नैक पियर टीम द्वारा बतायी गई कमियों पर कार्य करें और अगली बार इससे बेहतर ग्रेड लाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जब मैं प्रदेश के विश्वविद्यालयों के दीक्षान्त समारोह में जाती हूँ, तो वहाँ 80 प्रतिशत गोल्ड मेडल बेटियाँ हासिल करती है।

भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित होना चाहिए वस्तुओं की कीमतों का निर्धारण

-प्रह्लाद सबनानी

वर्तमान में पूरे विश्व में सामान्यतः वस्तुओं की कीमतों का निर्धारण पश्चिमी आर्थिक दर्शन पर आधारित वस्तुओं की मांग एवं आपूर्ति के सिद्धांत के अनुरूप होता है। यदि किसी वस्तु की बाजार में मांग अधिक है और आपूर्ति कम है तो उस वस्तु की उत्पादन लागत कितनी भी कम क्यों न हो, परंतु उस वस्तु की बाजार में कीमत बहुत अधिक हो जाती है। वस्तु सामान्य नागरिकों के लिए कितनी भी आवश्यक क्यों न हो और चाहे उस वस्तु की आपूर्ति कई प्राकृतिक कारणों के चलते विपरीत रूप से प्रभावित क्यों न हुई हो, परंतु बाजार में तो उस वस्तु की कीमतें कुछ ही समय में आकाश को छूने लगती हैं। जैसे अभी हाल ही में भारत में देश के कुछ भागों में मौसम में आए परिवर्तन के चलते टमाटर की फसल खराब हो गई है, इसके कारण बाजार में टमाटर की आपूर्ति पर विपरीत प्रभाव दिखाई पड़ा है, देखते ही देखते खुदरा बाजार में 5 रुपए से 10 रुपए प्रति किलोग्राम बिकने वाला टमाटर 120 रुपए प्रति किलोग्राम से भी अधिक कीमत पर बिकने लगा है। पश्चिमी आर्थिक दर्शन दरअसल केवल %मैं% के भाव पर आधारित है अर्थात केवल मेरा लाभ होना चाहिए। समाज के अन्य वर्गों का कितना भी नुकसान क्यों न हो परंतु मेरे लाभ में कमी नहीं आना चाहिए। इसी भावना के चलते बड़े देश, छोटे देशों का शोषण करते नजर आते है। बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां छोटी कम्पनियों को खा जाती हैं। उत्पादक, उपभोक्ताओं का शोषण करता हुआ दिखाई देता है एवं बड़े व्यापारी छोटे व्यापारियों का शोषण करते रहते है। कुल मिलाकर बड़ी मछली, छोटी मछली को निगलती हुई दिखाई दे रही है। पश्चिमी आर्थिक दर्शन में वस्तुओं की कीमतों में कमी होना मतलब आर्थिक क्षेत्र में %मंदी% का आना माना जाता है। वर्ष 1920 में प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति के पश्चात चूंकि कई देश इस विश्व युद्ध में बर्बाद हो चुके थे अतः उत्पादों को खरीदने के लिए कई देशों के नागरिकों के पास पर्याप्त पैसे ही नहीं बचे थे, जिसके कारण उत्पादों की मांग बाजार में बहुत कम हो गई और वस्तुओं के दाम एकदम बहुत अधिक गिर गए थे। उस समय पर इस स्थिति को गम्भीर मंदी की संज्ञा दी गई थी। पश्चिमी आर्थिक दर्शन में उत्पादकों की लाभप्रदता किस प्रकार अधिक से अधिक होती रहे, इस विषय पर ही विचार किया जाता है। देश के आम नागरिकों को कितनी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इस बात की ओर सरकारों का ध्यान नहीं जाता है। क्योंकि केवल आर्थिक विकास होना चाहिए, इस धारणा के अनुसार ही वहां की सरकारें चलती हैं। अभी हाल ही में विकसित देशों द्वारा मुद्रास्फीति की समस्या का हल निकालने के लिए इन देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में लगातार वृद्धि की जा रही है ताकि नागरिकों के हाथों में धन की उपलब्धता कम हो और वे बाजार में वस्तुओं को कम मात्रा में खरीद सकें, इससे वस्तुओं की मांग में कमी होगी और इस प्रकार मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। इस निर्णय का इन देशों के नागरिकों एवं वहां की अर्थव्यवस्थाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है। उत्पादों की मांग को कृत्रिम तरीके से कम करने के कारण कम्पनियों ने वस्तुओं के उत्पादन को कम कर दिया है एवं इसके चलते कई कम्पनियों ने कर्मचारियों एवं मजदूरों की छँटनी प्रारम्भ कर दी है। अतः इन देशों में बेरोजगारी फैल रही है। पश्चिमी आर्थिक दर्शन की भावना के अनुरूप विकसित देशों में कई बार ऐसे अमानवीय निर्णय भी लिए जाते हैं। उक्त आर्थिक नीतियों के ठीक विपरीत भारतीय आर्थिक दर्शन में देश के समस्त नागरिकों को किस प्रकार सुख पहुंचाया जाये, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है। प्राचीन भारत में उत्पादों के क्रय विक्रय के सम्बंध में उत्पादों की कीमतों के बारे में स्पष्ट नीति निर्धारित रहती थी और इसका वर्णन शास्त्रों में भी मिलता है। किसी वस्तु के उत्पादन में जो कुछ भी व्यय हुआ है, वह राशि ही उस वस्तु की वास्तविक लागत मानी जाती थी, परंतु वस्तु की उपलब्धता एवं उपयोगिता के आधार पर कभी वास्तविक मूल्य से कुछ अधिक अथवा कुछ कम राशि में वह उत्पाद बेचा एवं खरीदा जाता था। भारतीय शास्त्रों में यह भी वर्णन मिलता है कि यदि किसी वर्ष विशेष में किसी कृषि उत्पाद का उत्पादन, प्राकृतिक आपदाओं के चलते, कम होता है तो राजा द्वारा अपने अन्न के भंडार को आम नागरिकों के लिए खोल दिया जाता था।

बिजली कटौती के खिलाफ आप ने निकाला लालटेन जुलूस

गर्मी के कारण प्रदेश में जो मौतें हुई है उन मृतक के परिवार को उचित मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाये बिजली विभाग में रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाये आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी सांसद संजय सिंह के आवाहन पर प्रदेश के सभी जिलों में बिजली कटौती को लेकर लालटेन जुलूस निकाला. इसी क्रम में आम आदमी पार्टी मेरठ ने जिला अध्यक्ष अंकुश चौधरी के नेतृत्व में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ सदर घंटाघर से सदर बाजार, आबूलेन फव्वारा चौक होते हुए सदर घंटाघर पुलिस चौकी तक लालटेन जुलूस निकाला गया इस दौरान अघोषित बिजली कटौती पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की जिला अध्यक्ष अंकुश चौधरी ने इस मौके पर कहा कि प्रदेश में बिजली की अघोषित कटौती हो रही है.जनता बिजली कटौती से त्राहिमाम कर रही है पूरे प्रदेश में बिजली कटौती का संकट लोग झेल रहे हैं गर्मी की वजह से अस्पतालों में लोग भर्ती हो रहे हैं और मौतें हो रही हैं अकेले पूर्वांचल में सैकड़ों लोगों की मौतें हो चुकी हैं.अस्पतालों में भर्ती मरीज गर्मी से बेहाल होकर भाग रहे हैं और गर्मी के कारण तमाम बीमारियों का शिकार हो रहे हैं. पार्टी की ओर से उन्होंने सरकार से मांग की प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति कराई जाये जिससे इस भयंकर गर्मी से लोगों को निजात मिल सके और लोगों की मौतें न हों, गर्मी के कारण प्रदेश में जो मौतें हुई है उन मृतक के परिवार को उचित मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाये और बिजली विभाग में रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाये. उन्होंने कहा ये बेहद दुर्भाग्य है कि 21वी सदी में लोगों को बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति नहीं हो रही है. बिजली आपूर्ति न होने की वजह से गर्मी के कारण लोगों

की मौत हुई है ये मौत नहीं हत्या है. लोगों की मौतों पर भाजपा के मंत्री संवेदनहीन बयान दे रहे हैं ये दु:खद है. वहीं दूसरी तरफदिल्ली की केजरीवाल सरकार बिना कटौती 24 घंटे बिजली दिल्ली की जनता को उपलब्ध करा रही है. उत्तर प्रदेश की जनता योगी सरकार से जानना चाहती है कि जब दिल्ली की जनता को मुफ्त और बिना कटौती 24 घंटे बिजली उपलब्ध हो सकती है तो उत्तर प्रदेश की जनता को देश में सबसे महंगी और बिना कटौती 24 घंटे बिजली क्यों नहीं उपलब्ध हो पा रही है ? जबकि भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश की जनता को मुफ्त और 24 घंटे बिजली देने का वादा किया था आखिर यह वादा जुमला क्यों हो गया ? जनता जानना चाहती है. उन्होंने कहा आज उत्तर प्रदेश में 27000 मेगावाट बिजली की जरूरत है, और मात्र 4 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है. 23 हजार मेगावाट बिजली बाहर से खरीदी जा रही है.उसके बाबजूद 10- 12 घंटे की बिजली कटौती होती है. अघोषित बिजली कटौती से लोग बेहद परेशान है. बिजली विभाग में वर्तमान में 1 लाख कर्मचारियों की जरूरत है लेकिन मात्र 34 हजार कर्मचारी बिजली विभाग में कार्यरत हैं. 66 हजार बिजली कर्मचारियों की कमी है जिसकी वजह से विभाग ठीक से काम नहीं कर पा रहा है. ट्रांसफार्मर फूंक जा रहे है, जगह जगह तार टूट रहे है कर्मचारियों के अभाव में काम नहीं हो पा रहा है और लोग गर्मी में रहने को मजबूर है धरना प्रदर्शन में महानगर अध्यक्ष अंकित गिरी, जिला उपाध्यक्ष हबीब अंसारी, जिला महासचिव जी एस राजवंशी, जिला मीडिया प्रभारी हर्ष वशिष्ठ, जिला उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, जिला उपाध्यक्ष देशवीर सिंह, जिला उपाध्यक्ष करन अग्रवाल, जिला सचिव प्रीति चौधरी, माइनॉरिटी प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुरविंदर सिंह, अनिल सुरानिया, अनमोल कोरी, निशांत कुमार, वसीम सलमानी, हेम कुमार, तेजस चौहान, शुऐब, रियाजुद्दीन, संजय गुप्ता, कैप्टन कपिल शर्मा,अमित, तरीकत पवार, आनन्द दुआ, महाराज सिंह, भरत लाल, तुषार, संजीव चित्तौड़िया सहित सैकड़ों कार्यकर्ता साथी मौजूद रहे ।

कावड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए अधिकारियों एवं पुलिस बल को ब्रीफ

मेरठ । आगामी काँबड यात्रा व महाशिवरात्रि पर्व को दृष्टिगत रखते हुए आज दिनांक 04.07.2023 को काँबड यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराये जाने हेतु पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदत्त पुलिस बल एवं जनपदीय पुलिस बल के सभी ऐसे अधिकारी जिनकी ड्यूटी सुपरजोनल, जोनल, सेक्टर पुलिस ऑफिसर के रूप में लगाई गई है, के साथ पुलिस लाइन स्थित सभागार में पुलिस अधीक्षक यातायात/नोड्ल अधिकारी काँबड यात्रा द्वारा गोष्ठी आयोजित की गई । गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक नगर/ग्रामीण/अपराध तथा समस्त क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारी भी उपस्थित रहें । काँबड यात्रा को सुरक्षित बनाने हेतु पूरे जनपद को 06 सुपर जोन, 22 जोन एवं 62 सेक्टर में विभाजित किया गया है । इस पर्व को सुरक्षित एवं दुर्घटना रहित सकुशल संपन्न कराने के लिए लगभग 2500 पुलिस बल को नियुक्त किया गया है । इसके

अतिरिक्त 08 कंपनी पीएसी/अर्धसैनिक बल भी नियुक्त किया गया है । ब्रीफिंग के समय श्री जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव पुलिस अधीक्षक यातायात/नोड्ल अधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि इंटेलिजेंस के लगभग 120 अधिकारी/जवान भी संवेदनशील स्थानों पर नियुक्त किये गये हैं जो पल-पल की खबर जिला प्रसाशन को देगें, कोई भी विषम परिस्थिति अथवा कानून व्यवस्था की स्थिति प्रभावित होने पर तुरंत संबंधित थाना प्रभारी अथवा उच्चाधिकारी गण को सूचित करने हेतु सभी को निर्देशित किया गया साथ ही जनपद स्तर पर एक व्हाट्सअप ग्रुप भी बनाया गया है, जिसमें सभी ड्यूटी पर लगे अधिकारियों को सम्मिलित किया गया है । कोई भी सूचना प्राप्त होने पर कुछ ही पलों में सूचना जनपद के कोने-कोने पर पहुँचाई जा सकेगी । इसके अलावा 112 की पीआरवी गाडीयों की व्यवस्था को ओर चुस्त दुरूस्त किया गया है।

प्रापर्टी डीलर को बेच दी 500 करोड़ की सरकारी जमीन, अमिताभ ठाकुर ने पुलिस की मंशा पर उठाए सवाल

मेरठ । कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में 500 करोड़ की सरकारी जमीन बेचने के मामले में अधिकार आजाद सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की आज एन्ट्री हुई है। मामले में उन्होंने सीओ दौराला से बातचीत करते हुए आरोपितों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। सीओ दौरान पूर्व आइपीएस का पहचान नहीं पाए। इस पर अमिताभ ठाकुर ने नाराजगी जतायी, हालांकि सीओ ने बाद में उनसे बातचीत कर नहीं पहचान ने पर अफसोस जाहिर किया कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र की शिव धाम कालोनी व बैंक कालोनी में प्रोपर्टी डीलर ने लगभग 500 करोड़ की सरकारी जमीन को बेच दिया था। यह मामला प्रकाश में आने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों के होश उड़ गए। मामले में कमिश्नर ने कई टीमों का गठन कर इसकी जांच कराई। जिसमें पुलिस ने जांच के बाद 27 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इसमें

श्रद्धापुरी निवासी गुलबीर सिंह ने प्रोपर्टी डीलर रमेश चंद सहित 27 लोगों के खिलाफ थाने पर सरकारी जमीन पर कब्जा कर बेचने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। दौराला में सीओ से मिले अभिताभ ठाकुर आज आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर सीओ दौराला अभिषेक पटेल से मिले। उन्होंने इस मामले में पुलिस की कार्य प्रणाली व कार्यशौली पर नाराजगी जाहिर की। साथ ही आरोपितों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। सीओ दौराला ने पूर्व आईपीएस को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मेरठ के सनसिटी हॉस्पिटल में 10000 हजार में फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे थे लाइसेंस निरस्त किया गया एफआईआर के आदेश किए

मेरठ । थाना नौचंदी क्षेत्र में जैदी फार्म में सनसिटी हॉस्पिटल में 10000 हजार में आयुष्मान भारत योजना गोल्डन कार्ड बनाए जा रहे थे जिसकी एक वीडियो भी वायरल हुई थी जिस को संज्ञान में लेते हुए जब स्वास्थ्य विभाग टीम हॉस्पिटल पर जांच के लिए पहुंचे तो वहां से एक व्यक्ति भाग खड़ा हुआ जिस पर डॉक्टर अखिलेश मोहन सीएमओ मेरठ ने तत्काल सनसिटी हॉस्पिटल का लाइसेंस निरस्त कर दिया और एफआईआर आदेश भी दिए और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र भी लिखा

मेरठ मे दिनदहाड़े बेगम ब्रिज रोड गोपाल दी हट्टी ज्वेलर्स की शॉप में की लूटपाट

मेरठ । थाना लालकुर्ती क्षेत्र में ज्वेलरी शॉप में दिनदहाड़े 2 बदमाशों ने की लूटपाट आबूलेन चौकी से चंद कदमों की दूरी पर वारदात दिया अंजामकरीब 20 मिनट तक बदमाशों ने मचाया तांडव पुलिस की नाक के नीचे ज्वेलर के यहां डाली डकैती घटना की जानकारी मिलते ही आईजी नचिकेता झा, एसएसपी रोहित सिंह सजवाण और एसपी सिटी मौके पर पहुंचे कावड़ यात्रा के चलते सड़कों पर पुलिस-प्रशासन बावजूद नहीं रुक रही वारदातें सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

हर घर हर जन तक पहुँचेंगे बीजेपी कार्यकर्ता : भूपेंद्र

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने डिजिटल माध्यम से बैठक करके महा-जनसम्पर्क अभियान के विगत अभियानों व कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ घर-घर सम्पर्क अभियान तथा सम्पर्क से समर्थन अभियान से हर घर-हर जन तक पहुंचने का मंत्र दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की केन्द्र सरकार के 9 वर्ष की उपलब्धियां लेकर जन-जन तक पहुंचने के महा-जनसम्पर्क अभियान की वर्चुअल बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी तथा एमएलसी उपस्थित रहे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि महा-जनसम्पर्क अभियान के तहत विगत सभी कार्यक्रम व अभियान सफल व प्रभावी रहे है। उन्होंने कहा कि सम्पर्क से समर्थन तथा घर-घर सम्पर्क अभियान के लिए एक बार फिर जुटना है और हर घर की दहलीज

तक पहुंचना है। उन्होंने कहा कि प्रभावी अभियान के लिए शक्तिकेन्द्र पर जिम्मेदारियां तथा जवाबदेही तय की जाए और कार्ययोजना बनाकर सघन जनसम्पर्क के द्वारा केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को हर घर तक पहुंचाया जाए। जिलापंचायत अध्यक्ष तथा सदस्य, ब्लॉक प्रमुख, ग्राम प्रधान, सहकारिता क्षेत्र से जुडे पार्टी के नेताओं के साथ पार्टी पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मिलकर प्रत्येक गांव में मोदी सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाये। उन्होंने कहा कि विपक्ष के झूठ, फरेब व षडयंत्रकारी राजनीति का जवाब मोदी सरकार व योगी सरकार की गरीब कल्याणकारी नीतियां, सुशासन, सशक्त कानून व्यवस्था, राष्ट्रहित में समर्पित भाजपा सरकारों का प्रत्येक निर्णय तथा देश व प्रदेश का चहुंमुखी विकास है। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि महा-जनसम्पर्क अभियान के तहत 15 जुलाई तक प्रत्येक घर तक जनसम्पर्क करना है। सम्पर्क से समर्थन अभियान के तहत प्रत्येक लोकसभा में एक हजार विशिष्ट जनों से सम्पर्क करना है। घर-घर सम्पर्क अभियान के माध्यम से प्रत्येक घर तक केन्द्र सरकार की उपलब्धियों का पत्रक लेकर जनमानस से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए आशीर्वाद तथा जनसमर्थन प्राप्त करना है। अभियान के तहत जिला प्रभारी जिलों में प्रवास करेंगे। मण्डल प्रभारी शक्तिकेन्द्रों पर प्रवास सुनिश्चित कर बूथ अध्यक्षों के साथ अभियान को गति देंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय परिसरों में शिक्षकों तथा युवाओं के बीच सम्पर्क से समर्थन अभियान के माध्यम से 9090902024 पर मिस्ड कॉल के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए समर्थन प्राप्त करने के लिए पार्टी के नेता, पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा कार्यकर्ता पहुंचेंगे।बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री संजय राय ने किया।

गोल्फक्लब में भारतीय परिधानों पर प्रतिबंध के विरोध में आपत्ति पत्र

उद्योग क्षेत्र की प्रतिष्ठित संस्था इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की बैठक में पूर्व चेयरमैन होने के नाते से मैं लखनऊ गोल्फ क्लब में पहुँचा था। परंतु गोल्फ क्लब के मैनेजमेंट द्वारा मेरे पहने हुए भारतीय परिधानों के साथ बैठक में मौजूद होने पर आपत्ति जताई गई और बताया गया कि यह सब क्लब में पहनकर आने की मनाही है। सर्वप्रथम तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ और यह सुनकर मुझे इतिहास की किताबो में पढ़ाये गए स्वतंत्रता आंदोलन की याद आ गयी, जब अंग्रेज भारतीयों की वेशभूषा देखकर उन्हें हीन भावना से देखते थे। आजादी के 75 वर्षों बाद भी मुख्यमंत्री आवास के निकट एक प्रतिष्ठित क्लब में भारतीय परिधानों पर प्रतिबंध आश्चर्यचकित करता है। यें बातें इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, लखनऊ के पूर्व चेयरमैंन प्रशान्त भाटिया ने जारी एक बयान में कही। प्रशांत भाटिया ने कहा कि आज जहाँ हम आजादी का अमृतकाल मना रहे है वही क्लब और सार्वजनिक जगहों पर भारतीय परिधानों को प्रतिबंधित करना या स्वयं को आधुनिक दिखाने की रेस में प्रतिबंध का विरोध न करना गलत है। यह हमारी भारतीय संस्कृति और भारतीयता का अपमान है। स्वामी विवेकानंद जी ने आज से लगभग 130 वर्ष पूर्व 1939 में विदेशी मित्र के पूछने पर कहा था कि आपके और हमारी सोच में यह अंतर है कि आपके देश में किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व का आकलन उसके कपड़े से करते हैं, यानी कि आपके देश में चरित्र का निर्माण एक दर्जी करता है, लेकिन हमारे भारत देश में चरित्र का निर्माण आचार विचार करते हैं स्वामी विवेकानन्द जी ने बताया था कि व्यक्ति की पहचान उसके व्यक्तित्व से होती है ना कि उसके कपड़ों से दुर्भाग्य से आजादी के 75 वर्षों उपरांत भी हम उनके विचारों को आत्मसात् नहीं कर सकें है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारतीय परिधानों में ही विदेशों में डंका बजाया था। आज हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी गर्व के साथ विश्व के सभी देशों में अपने भारतीय परिधान में उपस्थिति दर्ज कर अपनी संस्कृति को आगे बढ़ावा देते है। ऐसे में देश के सबसे बड़े प्रदेश की राजधानी में भारतीय परिधानों पर रोक दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रशान्त भाटिया ने कहा कि जबसे मुझे बताया गया कि क्लब में भारतीय परिधानों में प्रवेश प्रतिबंधित है, मैं बहुत आहत महसूस कर रहा हूं।

एसआर ग्रुप के मिक्रोमक्स में 78 छात्रों का चयन

बख्शी तालाब स्थित एसआर ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट में आज भगवती प्रोडक्ट लिमिटेड (मिक्रोमक्स)जयपुर राजस्थान कंपनी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एवं बायोटेक इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए कैंपस रिक्रूटमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें 200 छात्रों ने प्रतिभा किया कंपनी द्वारा छात्रों को 14500 रूपीस का वेतनमान दिया जाना सुनिश्चित किया गया। चयन प्रक्रिया में ग्रुप डिस्कशन इंट्रोडक्शन के बाद 78 छात्रों को चयनित किया गया। छात्रों के नाम इस प्रकार है अभिषेक जैस्वाल,अभिषेक कुमार,अभिषेक कुमार गौतम , आदर्श कुमार, आकांक्षा पोरवाल ,आकांक्षा साहू , अलोक कुमार , अलोक पल ,अनामिका पल ,आनंद प्रताप सिंह ,अंजलि वर्मा , अंकित पल , अंकित राज , अंकुर कुमार ,अनूप गौतम ,अंशुल कुमार ,अपूर्व शाक्य ,अर्चित कुमार गुप्ता , अरुण कुमार ,आर्यन श्रीवास्तव ,आशीष कुमार ,आशीष कुमार यादव , ातु स कुमार मिश्रा ,अवधेश कुमार ,आयुष त्यागी चंचल सिंह ,दीपांशु गौतम,धर्मराज,गौरव शर्मा ,हर्षिता पटेल ,हिमांशु गौतम ,इन्द्रसेन सिंह , जसवंत यादव कमलेश कुमार , कमलेश कुमार ,कशिश ,किशन ,किशन

सरोज,महेश कुमार,मनीष राज, मोहम्मद रूमान मोहद नसीम अंसारी, नीलाक्षी सिंह,,नीतील सिंह,नितिन कुमार, पवन कुमार, पवन कुमार ,पवन कुमार ,पवन कुमार, प्रतिमा देवी, प्रियांशु सिंह,पूजा कुमारी,रध्या यादव,राहुल कुमार गौतम,राजेश कुमार, रजनीश पटेल,रविकांत रावत,रीता देवी,ऋषभ शुक्ल,रॉयल गौतम,सबा अख्तर,सद्दाम हुसैन,संतोष कुमार , सतीश कुमार चतुर्वेदी,सौरभ कुमार,सौरभ कुमार मिश्रा,शगुन राजपूत,शिवम् शर्मा,शिवानंद यादव, शिवानी राव,शोभना सिंह,सुमित सिंह,सुरेंद्र गौतम,सुरजीत कुमार,सुशिल कुमार,स्वाति,उज्जवल श्रीवास्तव विजय वर्मा,विपिन कुमार,यसरा फ़ैज़ा ,योगेश , प्रभाकर, छात्रों को ग्रैजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर नियुक्त किया गया और उनकी जॉइनिंग आने वाली 10 जुलाई को निर्धारित किया गया। छात्रों के चयन उपरांत संस्थान के चेयरमैन श्री पवन सिंह चौहान ने कहा की छात्र अपने बैचलर डिग्री के साथ साथ अपने तकनीकी ज्ञान में वृद्धि करके किसी भी कंपनी में सर्वोच्च स्थान तक पहुंच सकते हैं। और सभी कंपनी में इसी मानक से उनका गुणों का उन्मूलन किया जाएगा तथा सभी एचआर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सीधी कांड उत्पीड़न के इतिहास का एक और शर्मनाक अध्याय है : अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मध्यप्रदेश के सीधी जिले में एक आदिवासी युवक पर पेशाब किए जाने की घटना की कठोर निंदा की है। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के सीधी जिले में एक आदिवासी के ऊपर एक भाजपाई द्वारा जो दानवीय घृणित कृत्य किया गया है, वो सदियों से शोषित-दलित समाज पर किये जा रहे उत्पीड़न के इतिहास का एक और शर्मनाक अध्याय है। मप्र में भाजपा के 18 साल के शासन की क्या बस यही उपलब्धि है। भाजपा को अहंकार ले डूबेगा। बता दें कि मध्यप्रदेश के सीधी जिले में आदिवासी मजदूर पर पेशाब करने वाला वीडियो

वायरल हुआ। जिसके बाद विपक्ष भाजपा पर हमला बार हो गया। वायरल वीडियो से सरकार की किरकिरी होने लगी। सरकार ने अधिकारियों को मामले में जांच के आदेश दिए। जांच में सामने आया कि घृणित कृत्य करने वाला कोई और नहीं बल्कि भाजपा का नेता है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रशासन को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अपराधी को किसी कीमत पर नहीं छोड़ा जाए, कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी, सीएम ने अपराधी पर एनएसए के तहत कार्रवाई करने निर्देश दिए। सीधी पुलिस ने एससी, एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी के घर पर बुल्डोजर की कार्रवाई की गई है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सीधी कांड के पीड़ित युवक के ना केवल पैर धोए, बल्कि उनसे पूरी घटना के लिए माफी भी मांगी। इसके पहले सीधी कांड के पीड़ित युवक दशमत रावत अपने परिजन के साथ यहां स्थित मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। इस दौरान चौहान ने सबसे पहले उन्हें सम्मान से बैठाया, उनके पैर धोए, उन्हें टीका लगाया और माला पहनाई। इसके बाद चौहान ने शॉल और श्रीफल से उनका सम्मान किया और उन्हें फल भेंट किए। इसके बाद चौहान ने उन्हें पास बैठाकर उनसे उनके परिवार के बारे में पूरी जानकारी ली। उन्होंने उनसे उनकी आजीविका के बारे में भी पूछा। चौहान ने रावत से पूछा कि उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी तो नहीं है। उनके बारे में जानकारी लेने के बाद चौहान रावत को अपने साथ नाश्ता कराने भी लेकर गए।

संपादकीय

टमाटर की मार

देश भर में टमाटर की कीमतों में जबरदस्त इजाफे के बीच तमिलनाडु सरकार ने राज्य की 82 दुकानों में कम दाम में टमाटर की बिक्री करने का फैसला किया है। मंगलवार से फार्म फ्रेश की इन दुकानों पर 60 रुपये प्रति किलो की दर से टमाटर की बिक्री शुरू कर दी है। हालांकि जो टमाटर पहले 20-30 रूपए किलो मिल जाते थे और उससे भी पहले इतने सस्ते होते थे कि किसानों को टमाटर बेचने से नुकसान होता था और वो अपनी उपज को सड़कों पर फेंक देते थे, उस टमाटर के लिए 60 रूपए प्रति किलो का दाम भी आम आदमी के लिए अधिक ही है। मगर फैज साहब के शब्दों में कहें तो इस खबर को सुनकर वैसा ही लगा, जैसे बीमार को बेवजह करार आ जाए। देश में महंगाई किसी मर्ज से कम नहीं है, जिसके मरीज आम भारतीय ही बन रहे हैं और इसका कोई इलाज मोदी सरकार के पास नहीं है, ये तय है। मोदीजी मणिपुर का म नहीं कहते तो महंगाई का म भी नहीं कहेंगे। उनके लिए म से केवल मन की बात होती है और इसमें महंगाई की बात कही नहीं होती। बल्कि आश्चर्य नहीं होना चाहिए, अगर इस महीने के मन की बात में वे भारतीयों को टमाटर खाने के नुकसान न गिनाने लग जाएं। जब वित्त मंत्री प्याज से परहेज कर सकती हैं, तो प्रधानमंत्री टमाटर का त्याग कर ही सकते हैं। एक समाचार चौनल और भाजपा समर्थक अखबार ने तो बाकायदा एक खबर ही ऐसी चला दी कि कैसे पहले के जमाने में लोग टमाटर को जहर मानते थे और टमाटर गरीबों का भोजन माना जाता था। जब पाकिस्तान में टमाटर महंगा हुआ तो ऐसे मीडिया घरानों को आम पाकिस्तानियों की तकलीफ फौरन नजर आ गई कि वहां टमाटर खरीदना कैसा मुश्किल हो रहा है। लेकिन अब अपने ही देश में टमाटर डेढ़ सौ रूपए किलो तक मिल रहा है। पेट्रोल के दाम और टमाटर के दाम में आगे निकलने की होड़ है, तो सरकार के पिट्ठु पत्रकारों को आम हिंदुस्तानियों की तकलीफ नजर नहीं आती। इसलिए तमिलनाडु सरकार का सस्ते में टमाटर बेचने का फैसला थोड़ी राहत तो जनता को दे ही देगा। कई राज्यों की भाजपा सरकारें तो केंद्र सरकार का ख्याल रखते हुए ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगी, लेकिन गैर भाजपा सरकारों को भी तमिलनाडु का अनुसरण करना चाहिए। वैसे पिछले दिनों केवल टमाटर ही नहीं बाकी सब्जियों के दाम भी बेतहाशा बढ़ गए हैं। इसके अलावा दालों की कीमतों में भी उछाल देखने को मिल रहा है। ये तेजी खास तौर से पिछले दस दिनों में देखने मिली है। दाल, सब्जी, फल, दूध-दही सब कुछ आम जनता की पहुंच से दूर हो रहा है। लेकिन सरकार की प्राथमिकता में महंगाई पर काबू की बात कहीं नहीं दिख रही है। न ही सरकार इस बात को बर्दाश्त कर रही है कि कोई और जनता को होने वाली तकलीफ पर आवाज उठाए।

एससीओ : यह कैसा सहयोग

अशोक कुमार

शंघाई सहयोग संगठन की वर्चुअल बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर आतंकवाद कोघ्क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा बताते हुए सदस्य देशों से इसके खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की अपील की वहीं उन्होंने पाकिस्तान और चीन को भी निशाने पर लिया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मौजूदगी में प्रधानमंत्री मोदी ने दो टूक शब्दों में कहा कि कुछ देशों ने सीमापार आतंकवाद को अपना औजार बना लिया है और ऐसे देश आतंकवादियों को पनाह देते हैं जिनकी निंदा करने में संगठन को कोई संकोच नहीं करना चाहिए। इसी बैठक में चीन के राष्ट्रपति ने अमेरिका का नाम लिए बिना उस पर जमकर प्रहार किए। जिनपिंग ने कहा कि क्षेत्र में नया शीत युद्ध शुरू करने की घ्कोशिशों का सामना करने की जरूरत है। इस बैठक में कुल मिलाकर बड़े देशों में मतभेद सामने आ गए। अब सवाल यह है कि शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य किस तरह से आपस में सहयोग करेंगे जबकि उनके निजी हित आड़े आ रहे हैं। शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना के वक्त यह संकल्प लिया गया था कि इसके सदस्य आपस में मिलकर काम करेंगे तो पश्चिमी देशों की अर्थव्यवस्था को चुनौती दे सकते हैं। अगर संगठन के सदस्य देश आर्थिक ताकत बनना चाहते हैं तो उन्हें एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना होगा और एक-दूसरे की संप्रभुता और सीमाओं का भी सम्मान करना होगा। इस दिशा में सब से बड़ी बाधा चीन और पाकिस्तान ही हैं। अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने के घ्लिए कितना दबाव बनाया लेकिन भारत ने अपने हितों की रक्षा के लिए रूस से सस्ता तेल खरीदने का फैसला किया। अगर भारत अमेरिका के दबाव में फैसले लेता तो इससे हमारी अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती थी। रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदने से इस वर्ष मई तक यानि 14 महीनों में भारतीय रिफाइनरियों को कम से कम 7.12 बिलियन डॉलर का फायदा हुआ है। भारत कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा खरीदार है और वह अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत तेल आयात करता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका और यूरोपीय देशों ने भारत को सस्ते में तेल देने की पेशकश की। भारत के लिए यह सस्ते

का सौदा था। पूरी दुनिया को इस समय सहयोग की जरूरत है। भारत का रूस से कच्चे तेल का निर्यात जून महीने में शीर्ष पर रहा। भारत का 2021-22 में रूस से तेल का आयात महज 2 फीसदी था जो अब बढ़कर 20 फीसदी से ज्यादा हो गया है। भारत की तेल कंपनियों ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर यूरोपीय देशों को तेल निर्यात किया है। चीन तो पहले से ही रूस से तेल खरीद रहा है अब पाकिस्तान ने भी रूस से तेल खरीदना शुरू कर दिया है। ऊर्जा संकट में यूरोपीय देशों के लिए भारत देवदूत बनकर उभरा है। अमेरिका और कई पश्चिमी देशों के लिए बड़ी राहत की बात है कि भारत उन्हें तेल देना जारी रखे। रूस हमारा परखा हुआ मित्र है। अगर पाकिस्तान ने आतंकवाद को हथियार न बनाया होता तो भारत से व्यापार करने से उसे ही लाभ होता। आतंकवाद और व्यापार साथ- साथ नहीं चल सकते। इसलिए पाकिस्तान के साथ भारत ने व्यापार करने से इंकार कर दिया और दोनों देशों में सीमा पर व्यापार भी ठप्प है और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का हाल हर कोई जानता है। अगर पाकिस्तान का भारत से व्यापार जारी रहता तो उसकी अर्थव्यवस्था को नुक्सान नहीं होता। रूस भारत का अभिन्न मित्र है और उसने हमेशा भारतीय हितों की रक्षा की है जबकि अमेरिका भारत से युद्धों के दौरान भी पाकिस्तान के पाले में खड़ा रहा है। 9घ्11 के आतंकवादी हमले के बाद से अमेरिका को आतंकवाद की पीड़ा का एहसास हुआ और उसने पाकिस्तान से दूरी बना ली। इसके बाद से ही भारत-अमेरिका संबंधों में मिठास पैदा हुई। शंघाई सहयोग संगठन के देशों में दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी रहती है और दुनिया के कुल व्यापार का करीब 24 फीसदी इन्हीं देशों के बीच होता है। अगर संगठन के सदस्य देश आपस में सहयोग करें तो यह समूह बहुत बड़ी आर्थिक ताकत बन सकता है। समस्या यह है कि चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों को छोड़ने को तैयार नहीं जबकि पाकिस्तान आतंकवाद की खेती करना बंद करने को तैयार नहीं। पाकिस्तान और चीन दोनों ही भारत को एक के बाद एक जख्म देने की कोशिशें करते रहते हैं। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध चीन की ऐसी ही कोशिश है। भारत, रूस और चीन परस्पर सहयोग का त्रिकोण बन जाए तो कोई ताकत इस त्रिकोण के सामने नहीं टिकेगी। जब तक पाकिस्तान और चीन अपनी नीतियां नहीं छोड़ते तब तक एससीओ में सहयोग सच्चाई के रूप में नहीं बदल सकता।

युवाओं में बढ़ता असंतोष और अंग्रेजी, हिंदी माध्यम में प्रतिस्पर्धा

संजीव ठाकुर

भारत एक विशाल जनसंख्या वाला देश और विश्व में सर्वाधिक युवा जनसंख्या का देश है। चीन और जापान जहां बुढ़ापे की जनसंख्या से परेशान है वहीं भारत की बड़ी युवा जनसंख्या में आर्थिक स्रोतों के अभाव में असंतोष गहराने लगा हैस वैसे युवाओं में बढ़ते असंतोष की समस्या सिर्फ भारत में ही नहीं है यह विश्वव्यापी समस्या भी बन गई हैस भारत में विद्यार्थियों के मध्य रोजगार न होने से असंतोष की घंटी अब बजने लगी है और यदि इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो यह हमारी बुनियाद को हिलाने में जरा भी देर नहीं करेंगी । युवा वर्ग खासकर विद्यार्थियों के मध्य विषाद और असंतोष का वातावरण और कुछ नहीं बल्कि आम लोगों में बढ़ते असंतोष कोई प्रदर्शित करता हैस पिछले एक दशक से विद्यार्थियों में विदेश जाने की चाहत विदेशी वस्तुओं के प्रति आकर्षण और पर्याप्त और रोजगार के साधन होने अवसाद काफी बढ़ गया है और इसकी परिणति हिंसात्मक क्रियाकलापों और तोड़फोड़ आगजनी के रूप में सार्वजनिक जगहों मैं आंदोलन तथा सरकारी भवनों तथा सरकारी वाहनों में आगजनी के रूप में दिखाई देने लगी है विद्यार्थियों युवा वर्ग और युवतियों में दीवानापन एक शोध का विषय बन कर रह गया है लेकिन इसमें न तो कोई अध्ययन करता है और नहीं तो कोई

समाधान की ओर सोचने की हिमाकत ही कर रहा हैस हम प्राय: विश्वविद्यालयों के बंद होने कुलपति के घेराव होने वह विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के साथ अपमानजनक व्यवहार करने की खबरें लगातार समाचार पत्रों में पढ़ते रहते हैं यह स्थिति काफी दुखद हो गई हैस हिंसा के इस अतिरेक के पीछे युवा वर्ग तथा विद्यार्थियों की कई शिकायतें तथा मांगे हैं सरकार तथा शिक्षा जगत से जुड़े अधिकारियों प्राध्यापकों और संस्थाओं द्वारा विद्यार्थियों के हित में कोई भी कार्य न किए जाने फल स्वरूप विद्यार्थी दंगे फसाद हड़ताल और प्रदर्शन करते आ रहे हैंस निजी संस्थाओं तथा विश्वविद्यालयों द्वारा छात्रों से अधिक शिक्षा शुल्क वसूला जाना पुस्तकालय एवं तथा शैक्षिक पुस्तकों के अभाव में काफी असंतोष पनपने लगा है उसके अलावा कॉलेज तथा विश्वविद्यालयों स्कूलों में योग्य शिक्षक की कमी भी युवा वर्ग तथा विद्यार्थियों में संतोष की कमी का एक बड़ा कारण भी हैस अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा तथा हिंदी माध्यम के बच्चों का बिछड़ना जी युवा वर्ग में असंतोष का एक बड़ा कारण बन गया है। अभी भी शिक्षा जगत में विद्यार्थियों का बड़ा वर्ग हिंदी मीडियम से शिक्षा प्राप्त कर रहा है ऐसे में अंग्रेजी विषय और भाषा उनकी समझ से बाहर हो जाता है यह भी विद्यार्थियों में असंतोष का बड़ा कारण बनता जा रहा है हमारी आज की शिक्षा पद्धति केवल बेरोजगार को तैयार करने वाली रह गई है इसमें व्यवसायिकता का पुट काफी कम है।उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी युवक रोजगार की तलाश में इधर-उधर भटकता है और यही कारण है कि युवा वर्ग तथा विद्यार्थी समुदाय अपने मुख्य आदर्शों से भटक कर अन्य असामाजिक गतिविधियों में तथा नशे की लत में आदि होने के लिए बाध्य हो गया है। साहित्यकार रामधारी दिनकर जी ने हिंदी से दो यम दर्जे के व्यवहार को लेकर कहा था कि ष्हम अपने विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा की सलीब की भेंट चढ़ा रहे हैंष् और यही कारण है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में खासकर तकनीकी परीक्षाओं में अंग्रेजी माध्यम होने के कारण 60: युवा अंग्रेजी के कारण ही असफल हो जाते हैं। राष्ट्रीय महत्व के इस गंभीर विषय पर सरकार तथा शिक्षाविदों को गहन विचार-विमर्श कर इस समस्या का निदान किया जाना चाहिए। वैसे वर्तमान में प्रदेश तथा केंद्र शासन की परीक्षाओं में हिंदी भाषा तथा माध्यम से परीक्षाएं होने के कारण काफी मध्यम वर्ग के विद्यार्थियों को सफलता मिल रही है पर यह अंग्रेजी मीडियम के विद्यार्थियों की तुलना में लगभग अत्यंत नगण्य है । युवा छात्र देश की उन्नति तथा विकास के स्तंभ है इसके अलावा युवा शक्ति देश की भावी कर्णधार भी हैं यदि इन्हें सही मार्गदर्शन एवं दिशा दर्शन दिया जाए तो काफी सकारात्मक तथा लाभकारी प्रतिफल प्राप्त हो सकते हैं और यदि वे दिशाहीन होकर समाज के विमुख जाते हैं तो न सिर्फ परिवार ,समाज बल्कि संपूर्ण राष्ट्र को बड़ी क्षति होने की संभावना होगी। भटके तथा दिशाहीन युवाओं की हिंसक अभिव्यक्ति का जवाब सरकार की गोलियां या लाठियां नहीं हो सकतीं हैं ,इस मसले को बहुत ही बुद्धिमता पूर्ण एवं शांति पूर्वक युक्ति से निपटना होगा। वैसे यह तो खुला सत्य है कि युवा शक्ति पर ही राष्ट्र का चतुर्दिक विकास तथा आशाएं टिकी हुई है।

होटल फेयरफील्ड बाय मैरियट के सात साल पूरे होने पर सात दिवसीय जश्न की शुरूआत

पूजा श्रीवास्तव

देश के विभिन्न प्रदेशों की चटोरी चाट के जरिए लोगों को एकता में पिरोने की एक कोशिश है जो कि हमारे हैं देश की खूबसूरती और एकता की अनोखी पहचान है जिसको होटल अपनी सातवीं वर्षगांठ के मौके पर सेलिब्रेशन के तौर पर मना रहा है। यें बातें होटल फेयरफील्ड बाय मैरियट के 7 साल पूरे होने पर सात दिवसीय जश्न की शुरूआत चाट फेस्टिवल का शुभारंभ करते हुए जनरल मैनेजर सचिन मल्होत्रा ने गोमती नगर के विभूति खंड में कही। उन्होंने बताया कि कोलकाता बड़ा बाजार चाट काउंटर में पुचका, गुगनी, आलू चाप, पालक पाटा चाट, सिंगारा, झल मुरही, घोटी गरम, काठी रोल है। उन्होंने बताया कि यहां सात शहरों के अलग-अलग काउंटर लगे हुए हैं चाट फेस्टिवल में कोलकाता बडा बाजार चाट काउंटर, दिल्ली-6, लखनऊ चाट काउंटर, जयपुरी चाट, बॉम्बे चोपाटी, चेन्नई एक्सप्रेस और पटना सेंट्रल जैसे काउंटर हैं। इसमें उन शहरों के मशहूर चाट काउंटर लगाए गए हैं। फूड एंड बेवरेज मैनेजर जितेन्द्र सिंह का कहना है कि होटल के सात साल पूरे होने पर कई तरह के आकर्षक ऑफर भी रखे गए हैं। बर्थडे या एनीवर्सरी सेलिब्रेट करने पर फूड बिल का सिर्फ77 फीसदी रूपये ही देना होगा। 6 जुलाई तक चलने वाले इस सेलिब्रेशन में सातों दिन लाइव म्यूजिक, चाट बफेट, ग्लास ऑफस्पार्कलिंग वाइन या व्हाइट वाइन और बेहतरीन सजावट रहेगी। इससे पूरे होटल में त्योहार जैसी रौनक नजर आ रही है। यह चाट फेस्टीवल 6 जुलाई तक चलेगा । जितेन्द्र सिंह ने बताया कि दिल्ली-6 में आलू टिक्की चाट, पराठा, जलेबी, केसर मिल्क, लस्सी, छोले-कुल्चे, दही वडा और लखनऊ चाट काउंटर में लखनवी टिक्की, आलू भाजी के साथ खस्ता कचौरी, काला चना गुगनी व पापडी चाट है। इसी तरह जयपुरी चाट में मिर्ची वडा, कडी, प्याज की कचौरी व कोटा कचौरी और बॉम्बे चोपाटी में पाव भाजी, भेलपूरी, ढोकला, वडा पाव व मिस्सल पाव रखा गया है। वहीं चेन्नई एक्सप्रेस में कई तरह के डोसा, इडली सांभर, मेधू वडा व उत्तपम और पटना सेंट्रल में लिट्टी चोखा, सत्तू, माठा व प्याज भजिया सजाया गया है।

रक्तदान और मुफ़्त चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर

रोटरी क्लब ऑफ़ लखनऊ, शाल्बी हॉस्पिटल, अहमदाबाद और इनरव्हील क्लब ऑफ़ लखनऊ के सहयोग से संयुक्त रूप से एक रक्तदान और मुफ़्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन में अहमदाबाद के वरिष्ठ आर्थोपेडिक सर्जन और एक स्त्री रोग विशेषज्ञ शिविर में शामिल होंगे। यें बातें आईडब्ल्यूसी लखनऊ संगीता मितल ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी। मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का हिस्सा बनने और लाभान्वित होने के लिए अपने सभी सदस्यों, उनके परिवार और दोस्तों का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। अध्यक्ष 2023-24 रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ मालविका गुप्ता।

विरासते-खालसा के लिये सिक्ख समाज ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया

मीडिया प्रभारी हरजीत सिंह ने बताया कि गत 12 जून को स. मंजीत सिंह तलवार के नेतृत्व में तेजवीर सिंह सियाल , गोरे गुलाटी व गुरुद्वारा आलमबाग के अध्यक्ष निर्मल सिंह ने विधायक राजेश्वर के निवास पर जाकर उनसे भेंट की व उनसे विरासते-खालसा बनाने की बात की ।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने वैसाखी के अवसर पर मोती महल लान में इसकी घोषणा भी की थी । राजेश्वर जी ने तत्काल प्रभाव से अपने स्टाफ इसके लिये निर्देशित किया । 28 जून को स. तेजवीर सिंह सियाल व निर्मल सिंह ने ज़मीन का अवलोकन कर अपनी सहमति दी । निर्मल सिंह ने बताया कि हम मुख्यमंत्री जी के अभारी हैं जिन्होंने जो भी वचन सिक्ख समाज से किया उसे पूरा किया । अतिशीघ्र इस स्थान पर बहुत ही आधुनिक तरीक़ों से सिक्ख इतिहास की जानकारी देने वाला अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के भवन का निर्माण किया जायेगा ।

सहारा हॉस्पिटल में एक्सीडेंट से घायल हुए मरीज के पैरों को कटने से बचाया

लखीमपुर खीरी का रहने वाला 33 वर्षीय युवक अरुण कुमार यादव बाइक से अपने घर जाते समय रास्ते में ट्रैक्टर से उनकी टक्कर हो गई जहां उसकी टांग व घुटने पर बहुत गहरी चोट लग गई तब पास के ही स्थानीय हॉस्पिटल में आनन-फानन में भर्ती कराया। वहां पर डॉक्टरों ने जाँघ की टूटी हड्डी की सर्जरी करके रॉड डाली और घुटने के पीछे घाव पर कई टांके लगा दिए। लेकिन दो दिन बाद जब पैर की उँगलियाँ चलनी बंद हो गई तो सीटी स्कैन करने पर पता चला की मरीज के घुटने के पास खून की नसें क्षतिग्रस्त हो गई थी जिसकी वजह से उसके पैरो में रक्त का प्रवाह ठीक से नहीं हो रहा था और वहां पर इस इलाज की सुविधा भी उपलब्ध नहीं थी इसलिए उन लोगों ने मरीज को लखनऊ के किसी हॉस्पिटल रिफर किया गया लेकिन वहाँ डॉक्टर पैर बचाने में असमर्थ थे तब उसने सहारा हॉस्पिटल लखनऊ आकरन वैस्कुलर एंड एंडो वैस्कुलर सर्जन डॉक्टर यशपाल सिंह को दिखाया । मरीज की स्थिति देखते हुए डॉक्टर सिंह ने सहारा हॉस्पिटल के प्लास्टिक एवं माइक्रो वैस्कुलर सर्जन डॉक्टर अनुराग पांडे को दिखाने को कहा। मरीज की स्थिति को देखकर के उन्होंने तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी क्योंकि मरीज के घुटने के पास खून की नस कटी हुई थी जिससे पैर में खून का प्रवाह ख़त्म हो गया था । ऐसी स्तिथि में प्राय: अंग काट दिये जाते हैं लेकिन मरीज़ और उनके रिश्तेदार पैर बचाना चाहते थे इसलिए डॉक्टरों ने कहा की वह उसके पैर को कटने से बचाने की हर मुमकिन कोशिश करेंगे। मरीज की सहमति के बाद उसका ऑपरेशन करके उसकी खून की नसों को जोड़ा गया , मृत मांसपेशियों को धीरे धीरे निकाला गया। घावों पर स्किन ग्राफ़्टिंग की गई, जिसकी वजह से आज बिना किसी सपोर्ट के अपने पैरों पर खड़े हो पा रहा है और चल सकता है। डॉ. अनुराग पांडे ने इस मरीज के माध्यम यह संदेश दिया कि यदि चोट लगने के 24 घंटे के अंदर यही मरीज हमारे पास अस्पताल में आ गया होता तो मरीज का पंजा भी न केवल चलने लायक होता बल्कि अपने पैर पर दौड़ने लायक होता क्योंकि उसकी मांसपेशियों को भी बचाया जा सकता था। मरीज व परिजन डॉक्टर अनुराग एवं डॉक्टर यशपाल से सफल इलाज पाकर बेहद सन्तुष्ट है और डॉक्टरों का बार बार धन्यवाद दिया। ऐसे केसेस में जैसे ही चोट लगती हैं मरीज को तुरंत ही एक अच्छे प्लास्टिक व माइक्रो वैस्कुलर सर्जन से सलाह जरूर लेनी चाहिए ताकि उस के किसी भी अंग के क्षतिग्रस्त होने का इलाज समय पर किया जा सके। समय की महत्ता इस तरह के घावों में बहुत मायने रखती हैं। यहां तक कि अगर किसी का हाथ या पैर कटकर पूरा अलग भी हो जाए और उसे 6-8 घंटे के अंदर मरीज साथ में लेकर आ जाए तो उसको पुन: जोड़ा जा सकता है। डॉक्टर अनुराग ने बताया कि यदि चोट के कारण हाथ या पैरों के टेंडन या मांसपेशियां कट जाती है तो अगर उनको 24घटें के अन्दर रिपेयर कर दिया जाए तो सबसे अच्छे परिणाम मिलते हैं। वहीं अगर बाद में रिपेयर होता है तो परिणाम भी अच्छे नहीं होते हैं और खर्च भी की बार ज्यादा आता है। अत: उचित समय पर उचित परामर्श सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।सहारा इंडिया परिवार के वरिष्ठ सलाहकार अनिल विक्रम सिंह ने बताया कि हमारे अभिभावक सहाराश्री जी की प्रेरणा से विश्व स्तरीय सहारा हॉस्पिटल का निर्माण कराया गया है जहां पर एक ही छत के नीचे सुविधाएं उपलब्ध होने व मल्टीस्पेशल्टी डॉक्टर सेवाएं उपलब्ध होने की वजह से मरीज को सही और सटीक इलाज मिल पाता है जिससे उसकी जान बचाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। सहारा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स एक साथ टीम में काम करते हुए मरीज की भलाई के लिए निरंतर तत्पर रहते हैं और बेहतर इलाज प्रदान करते हैं।

यूबीआई का महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र, 2023 आरंभ

यूनियन बैंक ऑफइंडिया द्वारा आधिकारिक तौर पर 30 जून को पूरे भारत में अपनी शाखाओं में महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र (एमएसएससी), 2023 योजना की शुरुआत की गई. बैंक ने अब तक 5,653 एमएसएससी लाभार्थी खातों में रु.17.58 करोड़ जुटाए हैं. एमएसएससी, 2023 वित्त मंत्रालय की एक प्रमुख लघु बचत योजना है, जिसे 1 फरवरी, 2023 को हमारे माननीय वित्त मंत्री द्वारा वित्त वर्ष 2023-2024 के बजट भाषण के दौरान महिलाओं और लड़कियों के लिए शुरू किया गया था. योजना के तहत, प्रत्येक लड़की या स्त्री महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र या किसी नाबालिग लड़की की ओर से कोई अभिभावक खाता खोल सकती हैं. आवश्यक न्यूनतम निवेश रु. 1,000/- और रु. 100/- के गुणकों में कोई भी राशि रु. 2,00,000/- की अधिकतम सीमा तक जमा की जा सकती है. ग्राहक प्रत्येक खाते के बीच तीन महीने के अंतराल पर कई खाते खोल सकता है, बशर्ते कुल निवेश सीमा रु. 2,00,000/- तक होनी चाहिए. इस योजना के तहत जमा राशि पर प्रति वर्ष 7.5 फीसदी का आकर्षक ब्याज दर मिलेगा और यह त्रैमासिक रूप से चक्रवृद्धि होगा. महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र के तहत सभी अर्जित ब्याज मौजूदा आयकर प्रावधानों के अनुसार कर योग्य होगा. हालाँकि, योजना के तहत टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) नहीं काटा जाएगा. खाता खुलने की तारीख से दो साल बाद खाता परिपक्व होगा. इस योजना के तहत खाते 31/03/2025 तक खोले जा सकते हैं. यह योजना नामांकन सुविधा भी प्रदान करती है. खाताधारक खाता खोलने की तारीख से एक वर्ष के बाद पात्र शेष राशि के 40 फीसदी तक की आंशिक निकासी भी कर सकते हैं।

पसमांदा मुस्लिम समाज के प्रति प्रधानमंत्री के घड़ियाली आंसू- सपा के पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी

पूजा श्रीवास्तव

प्रधानमंत्री जी ने हैदराबाद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पसमांदा मुसलमानो की बदहाली पर चिंता जताई थी मंच पर विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री सहित पार्टी के वरिष्ठ नेतागण मौजूद थे और पसमांदा मुसलमानो के दर्द का अध्यन किया और महसूस किया तथा इस पर काम करने के लिए पार्टी के नेताओं को पसमांदा मुसलमानो को उन्हें देश की मुख्यधारा से जोड़ने की बात घडियाली आंसू की तरह है जिसकी वजह से हालत आज भी जस के तस है जबकि एक साल पूरा हो चुका है। यें बातें प्रेसवार्ता के दौरान पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी ने एक निजी होटल में कही। अनीस मंसूरी ने

कहा कि प्रधानमंत्री ने अभी तक पसमांदा मुसलमानो की बदहाली दूर करने के लिए कोई ठोस कार्य योजना नहीं बनाई है। लगातार अपने भाषणों में पसमांदा मुसलमानो की बदहाली पर चिंता जताते हैं यदि सही मायने में प्रधानमंत्री जी उनकी बदहाली को दूर करने के लिए फ़िक्र मंद हैं तो उन्हें ईमानदारी से ठोस कार्ययोजना 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू कर देना चाहिए ताकि पसमांदा मुस्लिम समाज में प्रधानमंत्री जी के वादे को लेकर विश्वास पैदा हो। अनीस मंसूरी ने कहा कि जब प्रधानमंत्री जी ने 85 फीसदी पसमांदा मुसलमानो की बदहाली को सार्वजानिक रूप से स्वीकार कर लिया है तो इस से पसमांदा मुसलमानो के उत्थान की कार्ययोजनाओं को और बल मिलता है। अनीस मंसूरी ने कामन सिविल कोड जैसे संवेदनशील मुद्दे पर प्रधानमंत्री के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया जताते हुऐ कहा कि भारत जैसे देश जहां पर विभिन्न धर्मों,सम्प्रदायों व जाति के लोग सदियों से रहते आ रहे हैं जिनके अपने स्वयं धार्मिक व सामाजिक नियम कानून हैं जो कि दूसरे धर्म के लोगों से नहीं टकराते हैं ऐसे में कामन सिविल कोड लागू करने का क्या औचित्य है। कामन सिविल कोड लागू करने से पहले विश्व के देशों में क्या प्रभाव पड़ेगा इस बिंदु पर भी गहरा अध्यन करने की आवश्यकता है ।,, प्रधानमंत्री जी के इस बयान पर कि घर में दो कानून नहीं चलेगा,, अनीस मंसूरी ने कहा कि घर चलाना अलग बात है और देश चलाना अलग मुद्दा है। अनीस मंसूरी ने कहा कि पिछले 15 वर्षों से निरंतर प्रदेश व देश के विभिन्न राज्यों में जाकर और प्रदेश के शहरों, कसबों, गांव, और गलियों में जा जा कर पसमांदा मुसलमानो की बदहाली को देखा है ।

पीएम की यू एस यात्रा रक्षा, अर्धचालक और अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए महात्व-मनोज गुप्ता

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त राज्य अमेरिका की हालिया राजकीय यात्रा, राष्ट्रपति जो बिडेन के साथ मुलाकात, अमेरिका-भारत संबंधों में एक ऐतिहासिक अवसर रही है। रक्षा, अर्धचालक और अंतरिक्ष अन्वेषण में प्रमुख रणनीतिक समझौते किए गए हैं जो हमारे देशों के बीच संबंधों को काफी मजबूत करेंगे। फिक्की यूपी के चेयरमैन मनोज गुप्ता ने जारी एक बयान में दी। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में, हम भारत की तकनीकी क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख अमेरिकी कंपनियों की प्रतिबद्धताओं के साथ अवसरों में वृद्धि की आशा करते हैं। आर्टेमिस समझौते में भारत का प्रवेश और नासा के साथ संयुक्त अंतरिक्ष मिशन की योजना अंतरिक्ष अन्वेषण में एक रोमांचक नए युग का प्रतीक है। इसके अलावा, इस यात्रा से डब्ल्यूटीओ में लंबे समय से चले आ रहे व्यापार विवादों का समाधान हुआ है और अमेरिकी वस्तुओं पर विशिष्ट भारतीय टैरिफ को हटाया गया है, जो व्यापार संबंधों में सुधार के लिए एक ठोस प्रतिबद्धता का संकेत है। वीज़ा नियमों को आसान बना दिया गया है, जिससे कई कुशल भारतीय श्रमिकों को लाभ हुआ है। अंत में, अमेरिकी लघु व्यवसाय प्रशासन और भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के बीच एक सहयोगात्मक समझ कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाने और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने का वादा करती है। संक्षेप में, यह यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों में एक महत्वपूर्ण छलांग का प्रतिनिधित्व करती है और आपसी विकास और साझा प्रगति के एक नए युग की शुरुआत करती है। जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, हम इस ष्अगली पीढ़ी की साझेदारीष् की प्राप्ति को देखने के लिए उत्साहित हैं।

समावेशन के लिए सहायक प्रौद्योगिकी भारत का दृष्टिकोण और क्षमता: राजेश अग्रवाल

सहायक प्रौद्योगिकी (एटी) अर्थात ऐसा कोई भी उत्पाद या सेवा, जिसके माध्यम से दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) अथवा इस तरह की किसी भी स्वास्थ्य स्थितियों का सामना कर रहे लोगों को मुख्यधारा में शामिल होने और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए दैनिक गतिविधियों का निर्वहन करने में सहायता की जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ द्वारा मई 2022 में सहायक प्रौद्योगिकी पर जारी की गई पहली वैश्विक रिपोर्ट (जीआरईएटी) के अनुसार, दुनिया में 2.5 बिलियन से अधिक लोगों को एक अथवा अधिक सहायक उत्पादों की आवश्यकता होती है। भारत में, 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 26.8 मिलियन लोग दिव्यांग हैं और यह उनके लिए सहायक प्रौद्योगिकी की आवश्यकता को दर्शाता है। भारत में दिव्यांगजनों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य देखभाल तक सीमित पहुंच शामिल है। इसके अलावा, कई दिव्यांगजन पहुंच की कमी के कारण परिवहन और आवास जैसी बुनियादी सेवाओं तक पहुंचने बनाने के लिए भी संघर्ष करते हैं। सहायक प्रौद्योगिकी दिव्यांगजनों को रोजमर्रा के काम करने और उनके समुदायों में समान रूप से भागीदारी करने में मदद करते हुए इन चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत एक केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) का उद्देश्य दिव्यांगजनों को गुणवत्तापूर्ण सहायक उपकरण और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करना है। पिछले कुछ वर्षों में, एलिम्को भारत में एटी के क्षेत्र में एक प्रमुख भागीदार बन चुका है। एलिम्को सहायक उपकरणों की विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करता है, जिसमें प्रोस्थेसिस, ऑर्थोसिस, श्रवण यंत्र और गतिशीलता सहायक उपकरण जैसे ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, स्टिक, वॉकर, बैसाखी आदि शामिल हैं। एलिम्को ने दुनिया भर में प्रगति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी सहायता और सहायक उपकरणों का उत्पादन करने हेतु अपनी सुविधाओं का आधुनिकीकरण करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। इस दिशा में, एलिम्को ने अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ सहयोग किया और लोअर लिम्ब प्रोस्थेटिक कंपोनेंट (कृत्रिम पैर) और सक्रिय व्हील चेयर के स्वदेशी निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने के लिए टीओटी पर हस्ताक्षर किए। प्रोस्थेटिक्स के लिए एलिम्को द्वारा निर्मित ष्परिवर्तन किटष् का मूल्य इस श्रेणी में आयातित प्रोस्थेसिस की तुलना में बेहद कम है, जिसे देश भर में हजारों लाभार्थियों को लगाया गया है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत दृष्टिबाधित दिव्यांगों के लिए स्वदेशी डिजाइन से निर्मित श्सुगम्यश् छड़ी की परिकल्पना की गई है। प्रौद्योगिकी ग्रहण करने की दिशा में एलिम्को द्वारा किए गए प्रयासों में अत्याधुनिक प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक केंद्र; उन्नत डिज़ाइन दक्षता के साथ- 3डी मॉडलिंग और विश्लेषण सॉफ़्टवेयर; 3डी प्रिंटिंग सहित कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग (सीएडी) और कंप्यूटर एडेड मैन्युफैक्चरिंग (सीएएम); सीएनसी स्लाइडिंग हेड मशीन और सीएनसी टर्न मिल मशीन का उपयोग; सटीक/सटीक धातु विश्लेषण के लिए- स्पेक्ट्रो विश्लेषक; बैटरी चालित मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल में रिवर्स ड्राइव और डिस्क ब्रेक और एक्टिव फोल्डिंग व्हील चेयर तथा रफ टेरेन व्हील चेयर का डिजाइन/ड्राइंग जैसी नई सुविधाएँ शामिल की गई हैं। दिव्यांगजनों के लिए सार्वजनिक स्थलों और परिवहन प्रणालियों को अधिक सुलभ बनाने के लिए सरकार द्वारा 2015 में सुगम्य भारत अभियान का शुभारंभ किया गया था ।

कुर्बानी से गरीबों की बहुत मदद होती है: मौलाना खालिद रशीद

ईद-उल अज़हा की नमाज़ प्रदेश की सबसे बड़ी और तारीख़ी ईदगाह लखनऊ में हुई। जिसमें लाखों मुसलमानों ने इमाम ईदगाह, लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फ़रंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया की इमामत में नमाज़ अदा की। ईद-उल-अजहा के मुबारक अवसर पर जहाँ लाखों मुसलमानों की आपसी भाई चारा, मजहबी जोश व खरोश और इस्लामी शान व शौकत का अजीम प्रदर्शन हुआ वहीं विभिन्न राजनैतिक व समाजिक लीडरो और उच्च अधिकारियों ने ईदगाह पहुँच कर इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फ़रंगी महली और तमाम मुसलमानों को ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद पेश की जिससे वर्षो पुरानी हमारी गंगा जमनी सभ्यता का भी लुभावना प्रदर्शन हुआ। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि कुर्बानी दो नबियों हज़रत इब्राहीम और हज़रत इस्माईल की यादगार

है। जिसका वर्णन खुदा पाक ने कुरान में विस्तार से किया है। ईद उल अज़हा कुर्बानी और अमन का पैग़ाम देती है। उन्होने कहा कि बकरईद से बहुत बड़े पैमाने पर व्यापार को लाभ होता है और एक अंदाजे के अनुसार लगभग 20 लाख किसानों को इससे रोजगार मिलता है। मौलाना ने कुर्बानी के बाद साफसफाई का खास ख्याल रखने की अपील की।मौलाना ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग: प्रदूषण और वातवारण के सुधार के लिए हर मस्जिद में और हर मस्जिद के चारों तरफपौधारोपण उच्च स्तर पर करना चाहिए क्यों कि रसूल पाक सल्ल0 का फ़रमान है कि जो भी एक पेड़ लगायेगा जब तक उससे इंसान और जानवर फ़ायदा उठाते रहेगें उस पेड़ लगाने वाले को सवाब मिलता रहेगा। मुसलमानों को अगर अपने देश में संवैधानिक अधिकार प्राप्त करना है और तरक्की करनी है तो हमें अपने बच्चों को उच्च से उच्च शिक्षा देने होगी। हमें अधिक से अधिक स्कूल कायम करने चाहिए। मौलाना ने नमाज़ के बाद देश व प्रदेश की सुरक्षा, देश के विकास व उन्नति, अमन, भाई चारा, समृद्धि और कल्याण और विश्व में शान्ति, गरीबी, बेरोजगारी, मंहगाई के खात्मे के लिऐ दुआऐं कीं और बारिश होने और अच्छे मौसम के लिए भी विशेष दुआ की।

उत्तर प्रदेश फायर एंड सेफ्टी एक्सपो और कांफ्रेंस

आग की आपात स्थिति में तकनीकी रूप से उन्नत उपकरणों की आवश्यकता है क्योंकि आजकल ऊंची इमारतों का चलन है। जबकि भवन निर्माण के नियम सरकार द्वारा बनाये जाते हैं, लेकिन जागरूकता की कमी और सस्ते दाम पर काम कराने के कारण बिल्डरों और आम लोगों द्वारा इसे लागू नहीं किया जाता है। यें बातें तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश फायर एंड सेफ्टी एक्सपो एंड कॉन्फ्रेंस (यूएफएसईसी) के दूसरे संस्करण का आयोजन पर उत्तर प्रदेश,समाज कल्याण, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), असीम अरुण ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में कही। उन्होंने बताया कि अग्नि सुरक्षा का मतलब अग्नि सुरक्षा के सभी पहलुओं से है, जिसमें अग्नि की रोकथाम, अग्नि शमन या अग्नि शमन, पूर्व-अग्नि योजना, अग्नि जांच, सार्वजनिक शिक्षा और सूचना, प्रशिक्षण या अन्य कर्मचारी विकास शामिल है, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण पहलू भी शामिल है। उत्तर प्रदेश सरकार

आपातकालीन एवं अग्निशमन सेवाएँ महानिदेशक अविनाश चंद्र, ने कहा कि फायर ने लागत प्रभावी अग्नि उपकरणों के विकास पर जोर दिया, जिसमें विदेशों में उपयोग की जाने वाली नवीनतम तकनीकों को शामिल किया गया है, जहां धुएं का पता लगाने वाले उपकरण बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के स्थानीय फेर स्टेशनों को स्वचालित रूप से सचेत करते हैं। उन्होंने बताया कि मुट्ठी भर पूरक स्मार्ट उपकरण कारखानों/कार्यालयों और यहां तक कि घरों में आग को रोकने और/या उसका पता लगाने में मदद कर सकते हैं, जबकि पहले सूचित करके और भी गंभीर क्षति को कम कर सकते हैं। जबकि पारंपरिक धूम्रपान डिटेक्टरों को आग के तहत इमारत के अंदर लोगों को सचेत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि हर कोई सुरक्षित रूप से बाहर निकल सके, निम्नलिखित में से कुछ स्मार्ट डिवाइस हमारे मोबाइल डिवाइस पर और निकटतम अग्निशमन कार्यालयों को भी अलर्ट प्रदान कर सकते हैं, भले ही हम मील दूर हों दुर्घटना से. उन्होंने धुएं के साथ-साथ आग प्रतिरोधी आंतरिक सज्जा की आवश्यकता पर भी जोर दिया क्योंकि आग लगने के दौरान धुएं के कारण ज्यादातर लोगों की जान चली जाती है। उन्होंने अग्नि सुरक्षा सूट और हेलमेट के विकास पर भी जोर दिया, जो आग फैलने की स्थिति में लंबे समय तक टिके रहेंगे। उन्होंने नकली, सस्ते और स्थानीय उत्पादों के बजाय प्रामाणिक अग्नि सुरक्षा उपकरण स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिनका उपयोग कई लोग केवल फायर एनओसी प्राप्त करने के लिए कर रहे हैं। अंत में उन्होंने पीएचडीसीसीआई द्वारा विशेष रूप से आग और सुरक्षा उपकरणों पर आयोजित सम्मेलन और प्रदर्शनी की सराहना की और सीएफओ और अन्य अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को प्रदर्शित उत्पादों पर विस्तृत नजर रखने की सलाह दी, जिन्हें इस क्षेत्र में विभाग द्वारा खरीदा जा सकता है। अतुल श्रीवास्तव, रेजिडेंट डायरेक्टर, यूपी चौप्टर, पीएचडीसीसीआई और कई अन्य प्रसिद्ध एचएसई प्रमुख और उद्योग सदस्य मौजूद थे।

उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय, लखनऊ का कार्यभार मेजर जनरल विक्रम कुमार ने संभाला

मेजर जनरल विक्रम कुमार ने 30 जून 2023 को उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय, लखनऊ के नए अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) के रूप में कार्यभार संभाला, मेजर जनरल संजय पुरी से जो 37 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। वर्तमान नियुक्ति ग्रहण करने से पहले, मेजर जनरल विक्रम कुमार ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) चेन्नई में डिप्टी कमांडेंट और मुख्य प्रशिक्षक के रूप में थे। मेजर जनरल विक्रम कुमार, जिन्होंने आज उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक का कार्यभार संभाला, एक बेहद अनुभवी अधिकारी हैं। उन्होंने बख्तरबंद कोर की 64 कैवलरी बटालियन की कमान संभाली। वह आर्मर्ड कोर सेंटर एंड स्कूल अहमदनगर, डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में प्रशिक्षक और ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, चेन्नई में डिप्टी कमांडेंट और मुख्य प्रशिक्षक रहे हैं। उन्होंने सेना में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। मेजर जनरल संजय पुरी को 31 मई 2022 को उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक के रूप में तैनात किया गया था। उनके कार्यकाल के दौरान उत्तर प्रदेश एनसीसी

निदेशालय ने गणतंत्र दिवस शिविर-2022 में 05वां स्थान हासिल किया और 17 एनसीसी निदेशालयों के बीच सांस्कृतिक प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया।

डाक ही नहीं, बैंकिंग व आधार सेवाएं भी घर बैठे उपलब्ध करा रहा डाकिया-पीएमजी कृष्ण कुमार यादव

विश्व भर में डाक सेवाओं में आमूल चूल परिवर्तन आये हैं। फिजिकल मेल से डिजिटल मेल के इस दौर में डाक सेवाओं में विविधता के साथ कई नए आयाम जुड़े हैं। डाककर्मी सरकारों और आमजन के बीच सेवाओं को प्रदान करने वाले एक अहम कड़ी के रूप में उभरे हैं। ऐसे में 1 जुलाई को पूरी दुनिया में नेशनल पोस्टल वर्कर्स डे के दिन डाककर्मियों का आभार व्यक्त करने का प्रचलन उभरा है। यें जानकारिया वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने जारी एक बयान में दी। उन्होंने बताया कि बताया कि नेशनल पोस्टल वर्कर डे की अवधारणा अमेरिका से आई, जहाँ वाशिंगटन राज्य के सीऐटल शहर में वर्ष 1997 में कर्मचारियों के सम्मान में इस विशेष दिवस की शुरुआत की गई। धीरे-धीरे इसे भारत सहित अन्य देशों में भी

मनाया जाने लगा। यह दिन दुनिया भर में डाककर्मियों द्वारा की जाने वाली सेवा के सम्मान में मनाया जाता है। कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि डाक विभाग का सबसे मुखर चेहरा डाकिया है। डाकिया की पहचान चिट्ठी-पत्री और मनीऑर्डर बाँटने वाली रही है, पर अब डाकिए के हाथ में स्मार्ट फोन और बैग में डिजिटल डिवाइस भी है। इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से आर्थिक और सामाजिक समावेशन के तहत पोस्टमैन चलते-फिरते एटीएम के रूप में नई भूमिका निभा रहे हैं और जन सुरक्षा योजनाओं से लेकर आधार, डीबीटी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, ई-श्रम कार्ड, वाहन बीमा,डिजिटल लाइफसर्टिफिकेट तक की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। घर-घर जाकर आईपीपीबी के अंतर्गत डाकियों द्वारा घर बैठे 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार बनाने, आधार में मोबाइल नंबर अपडेट करने के तहत प्रति माह 20,000 लोगों का आधार नामांकन/अद्यतनीकरण का कार्य किया जा रहा है, वहीं 18,000 लोगों को आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम के माध्यम से घर बैठे उनके विभिन्न बैंक खातों से नगदी उपलब्ध करायी जा रही है।

महाराष्ट्र ग्रीन हाइड्रोजन नीती बनाने वाला पहला राज्य

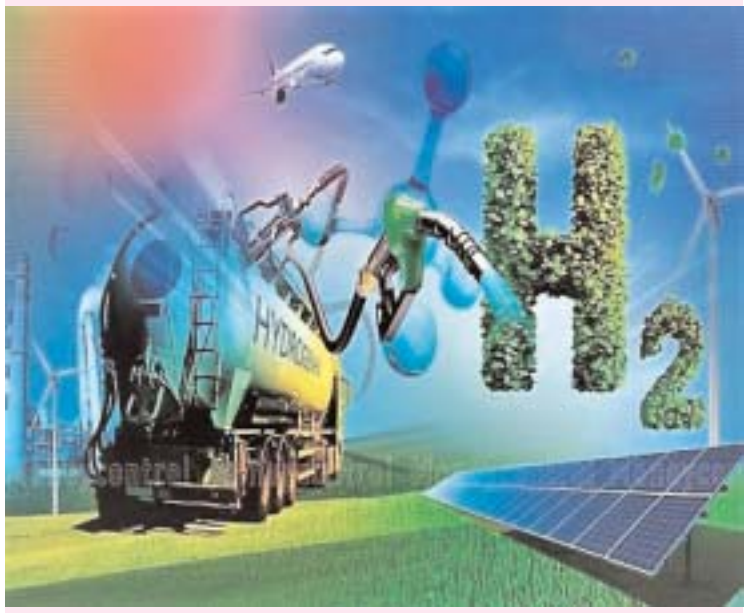

वर्षा ठाकुर

नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए महाराष्ट्र राज्य की हरित हाइड्रोजन नीति को मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में मंजूरी दे दी गई। ऐसी नीति की घोषणा करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है। इस नीति के कार्यान्वयन के लिए 8,562 करोड़ रुपये के व्यय को भी मंजूरी दी गई।हाल ही में प्रधान मंत्री ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की घोषणा की, जिसका लक्ष्य 2023 तक देश में सालाना 5 मिलियन टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। महाराष्ट्र राज्य में भी हरित हाइड्रोजन एवं संबंधित उत्पादों की क्षमता को पहचानते हुए यह नीति बनाई गई है। राज्य की वर्तमान हाइड्रोजन मांग 0.52 मिलियन टन प्रति वर्ष है। यह मांग 2030 तक 15 लाख टन तक पहुंच सकती है । हाइड्रोजन नीति उन परियोजनाओं को प्रोत्साहन प्रदान करेगी जो स्व-उपभोग के लिए राज्य में या राज्य के बाहर बिजली वितरण कंपनियों, पावर एक्सचेंजों से खुली पहुंच के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त करती हैं। हरित हाइड्रोजन और संबंधित उत्पादन परियोजनाएं उच्च ऊर्जा कार्यालय के तहत पंजीकृत की जाएंगी। इन परियोजनाओं को परियोजना सुविधा महाउर्जा के पास 25,000 प्रति मेगावाट इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता जमा करनी होगी। परियोजना कार्यान्वयन के समय से अगले दस वर्षों तक ट्रांसमिशन शुल्क, व्हीलिंग शुल्क से क्रमश: 50 प्रतिशत और 60 प्रतिशत रियायत दी जाएगी। स्टैंडअलोन और हाइब्रिड बिजली संयंत्रों को क्रमश: अगले 10 वर्षों और 15 वर्षों के लिए बिजली टैरिफ में 100 प्रतिशत रियायत दी जाएगी तथा क्रॉस सब्सिडी और अधिभार से भी छूट दी जाएगी। इसके अलावा, प्रोत्साहन पैकेज योजना 2019 के अनुसार, 5 वर्षों के लिए हरित हाइड्रोजन को गैस में मिश्रित करने के लिए 50 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी दी जाएगी। साथ ही, पहले 20 हरित हाइड्रोजन ईंधन भरने वाले स्टेशनों को 30 प्रतिशत पूंजी लागत सब्सिडी अधिकतम 4.50 करोड़ रुपये तक दी जाएगी। पहले 500 हरित हाइड्रोजन आधारित ईंधन सेल यात्री वाहनों को 30 प्रतिशत की सीमा के अधीन, प्रति वाहन 60 लाख रुपये तक की पूंजी लागत सब्सिडी दी जाएगी। हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं के लिए निर्धारित भूमि को स्थानीय निकाय कर, गैर-कृषि कर और स्टांप शुल्क से पूरी तरह से छूट दी जाएगी। कुशल जनशक्ति की भर्ती, उनके प्रशिक्षण, कौशल विकास, एक खिड़की सुविधा आदि के लिए 10 वर्षों के लिए 4 करोड़ प्रति वर्ष की मंजूरी भी दी कॅबिनेट बैठक में दि गई।

ओवरथिंकिंग को कम करने में बेहद फायदेमंद हैं ये 3 हस्त मुद्राएं, आज से करें शुरू

कई बार व्यक्ति किसी चीज के बारे में बहुत ज्यादा सोचने लगता है। इस स्थिति को ओवरथिंकिंग कहते हैं। जब किसी भी फैसले को लेने से पहले उस पर काफी समय तक विचार किया जाता है। हालांकि यह इंसान का नेचुरल स्वभाव माना जाता है। लेकिन जब यह स्वभाव ज्यादा बढ़ जाता है तो यह ओवरथिंकिंग का रूप लेने लगती है। ओवरथिंकिंग ज्यादा बढ़ने पर व्यक्ति मानसिक रूप से बीमार हो सकता है। जो व्यक्ति ओवरथिंकिंग करता है, उसो अच्छी नींद नहीं आती है। ऐसा व्यक्ति हर छोटी बातों के बारे में काफी ज्यादा सोचने लगता है। उसे हर समय अपने भविष्य का खतरा सताता रहता है। इस तरह के व्यक्ति खुद को चिंताओं से बाहर लाने में असफल महसूस करते हैं। ऐसे में अगर आप भी ओवरथिंकिंग से परेशान हैं, तो हस्त मुद्रा इसमें आपकी मदद कर सकती है। बता दें कि हस्त मुद्रा योग का हिस्सा होता है। इस योग में हाथ की मुद्राओं से शरीर की समस्याओं को कम किया जा सकता है। हस्त मुद्रा को सुखासन में बैठकर करने से अच्छा रिजल्ट मिलता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ओवरथिंकिंग दूर कर के लिए कुछ लाभकारी हस्त मुद्राओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

ज्ञान मुद्रा

बता दें कि ओवरथिंकिग की समस्या को दूर करने के लिए ज्ञान मुद्रा बेहद फायदेमंद होता है। ज्ञान मुद्रा की मदद से आप अपनी मेमोरी, ज्ञान और ध्यान को बढ़ा सकते हैं। इस मुद्रा को आप खड़े होकर, बैठकर या लेटकर भी कर सकते हैं। जब भी यह मुद्रा करें तो इस बात का ध्यान रखें कि आपकी पीठ एकदम सीधी होनी चाहिए। इस मुद्रा को करने के लिए आपको अपनी इंडेक्स फिंगर को अंगूठे से जोड़ना होता है। इस मुद्रा को करते समय सामान्य रूप से सांस लेते रहें और अपनी सांस पर फोकस करें।

पृथ्वी मुद्रा

अगर आप भी जरूरत से ज्यादा सोचते हैं और अपनी इस आदत को बदलना चाहते हैं तो आपको पृथ्वी मुद्रा करनी चाहिए। इस मुद्रा को करने के लिए सबसे छोटी उंगली और रिंग फिगर को अंगूठे से जोड़ें। इस मुद्रा को करने से आपकी थकान दूर होगी और आप ओवरथिंकिंग को कम कर सकेंगे। इस मुद्रा को प्रतिदिन सुबह-शाम 20 मिनट तक कर सकते हैं। जरूरी नहीं है कि आप इस मुद्रा को खाली पेट करें। इस मुद्रा को आप कभी भी कर सकते हैं। हालांकि इस मुद्रा को सुबह के समय करने से ज्यादा फायदा मिलता है।

वायु मुद्रा

अगर आप भी ओवरथिंकिंग से परेशान हैं तो वायु मुद्रा इसे कम करने में आपकी मदद कर सकती है। वायु मुद्रा उन लोगों के लिए ज्यादा फायदेमंद होती है, जो तनाव का शिकार रहते हैं। इस मुद्रा को करने से आपको ज्वाइंट्स या अर्थराइटिस के दर्द से भी राहत मिलती है। वायु मुद्रा हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखने के लिए भी फायदेमंद होती है। वायु मुद्रा को करने के लिए आप अपनी इंडेक्स फिंगर को मोड़कर अंगूठे के ऊपर रखें। यह मुद्रा इस तरह से बनानी है कि अंगूठे का टिप उंगली के ऊपर आए। इस मुद्रा को आप सुबह के समय 15-20 मिनट के लिए कर सकते हैं।

दिल्ली के आसपास मौजूद हैं ट्रेकिंग की ये शानदार जगहें, वीकेंड को बना देंगी मजेदार

अधिकतर लोगों को घूमना-फिरना काफी ज्यादा पसंद होता है। ऐसे में लोग छुट्टियां मिलते ही घूमने के लिए निकल जाते हैं। लेकिन कई बार छुट्टियां नहीं मिलने पर हमारे पूरे प्लान पर पानी फिर जाता है। ऐसे में अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप वीकेंड पर ट्रैकिंग का आनंद उठा सकते हैं। बता दें कि यह जगह दिल्ली के काफी पास हैं। ऐसे में आपको इन जगहों पर जाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। इन लोकेशन पर आप अपने दोस्तों के साथ जा सकते हैं।

नाग टिब्बा ट्रैक

बता दें कि उत्तराखंड के निचले हिमालय क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटी में नाग टिब्बा ट्रेक का नाम शामिल है। अगर आप भी अपने दोस्तों के साथ ट्रेकिंग का प्लान बना रहे हैं तो आपको यह जगह जरूर एक्सप्लोर करनी चाहिए। 5-6 घंटे के अंदर आप इस इस ट्रैक को पूरा कर सकते हैं। यह जगह नाग टिब्बा एडवेंचर, हॉट डेस्टिनेशन, वीकेंड गेटअवे, विंटर ट्रेक्स के नाम से फेमस है। नाग टिब्बा के सबसे पास जॉली ग्रांट हवाई अड्डा है। लेकिन अगर आप ट्रेन से यहां आना चाहते हैं तो आप देहरादून रेलवे स्टेशन से आ सकते हैं। जिसके बाद कीरब 73 किमी आगे जाना होगा। इसके बाद नाग टिब्बा की ट्रेकिंग शुरू होती है। इस जगह पर जाने के लिए आप के पास कम से कम 2 दिन का समय होना चाहिए। यहां से आप हिमालय का शानदार व्यू भी देख सकते हैं।

केदारकांठा शिखर

भारत में सबसे ज्यादा पसंद किये जाने वाले ट्रैक केदारकांठा शिखर बेहद खूबसूरत जगह है। बता दें कि उत्तरकाशी जिले में गोविंद वन्यजीव अभयारण्य के भीतर केदारकांठा स्थित है। इस जगह को एक्सप्लोर करने के लिए आपके पास 2 दिन का समय होना चाहिए। इस ट्रैक को शुरू करने के लिए आपको सांकरी पहुंचना होगा। वहीं पहले आपको दिल्ली से देहराहून आना होगा। केदारकांठा शिखर देहरादून से करीब 200 किमी दूर स्थित है। केदारकांठा ट्रैक की शुरुआत सांकरी से ही करनी होगा। इस जगह से आप हिमालय का शानदार नजारा देख सकते हैं।

त्रिउंड ट्रैक

इस ट्रैक के बारे में काफी कम लोगों को पता है। निउंड ट्रैक धौलाधार रेंज के निवास में धर्मशाला से 18 किलोमीटर की दूरी पर है। इस ट्रैक को आप मैक्लोडगंज से शुरू कर सकते हैं। यह ट्रैक करीब 9 किमी का ट्रेक है। जिसे 4-6 घंटे में आसानी से पूरा किया जा सकता है। यहां से आप कई खूबसरत व कभी न भूलने वाले नजारों को देख सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने दोस्तों के साथ कोई छोटा ट्रेक प्लान कर रही हैं, तो आपको त्रिउंड ट्रेक पर जरूर जाना चाहिए।

शादी की साड़ी को स्टनिंग और क्लासी तरीके से करना है कैरी, तो बनवाएं स्टाइलिश आउटफिट

हर लड़की के लिए उसकी शादी का दिन बेहद अहम होता है। यही वजह है कि लड़की अपनी शादी से जुड़ी हर एक चीज को बेहद संभाल कर रखना चाहती है। फिर शादी के आउटफिट हों, ज्वेलरी हो या फिर कुछ और हो। शादी के दिन ब्राइडल हर कुछ खास चाहती है। वहीं बात अगर शादी में साड़ियों की करें तो शादी पर हर लड़की को भारी-भरकम साड़ियां तोहफे में मिलती है। वहीं लड़कियां अपनी शादी के लिए कुछ महंगी साड़ियां भी खरीदती हैं। जो बेहद खास होती हैं।

लेकिन भारी-भरकम साड़ियों को पहनना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में भारी साड़ियां एक बार पहनने के बाद अक्सर रखी ही रहती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको साड़ियों से अलग तरीके के स्टाइलिश आउटफिट बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं। नीचे बताए गए तरीके से आप अपनी साड़ियों को अलग तरीके से कैरी कर सकती हैं।

लहंगा

अगर आपके पास भी सिल्क की साड़ियां हैं और आप उन्हें पहनने से कतराती हैं। तो आप इन साड़ियों से लहंगा बनवा सकती हैं। सिल्क की साड़ी से बने लहंगे देखने में क्लासी और खूबसूरत लगते हैं। भारी सिल्क की साड़ी का लहंगा पहनने से आपका लुक बेहद अलग नजर आएगा।

शॉर्ट ड्रेस

अगर आपको शॉर्ट ड्रेस पहनना अच्छा लगता है तो आप अपनी शादी की साड़ी से शॉर्ट ड्रेस बनवा सकती हैं। इन साड़ियों से बनवाई गई शॉर्ट ड्रेस की डिजाइन और लेंथ आप अपने हिसाब से रख सकती हैं। जिन्हें पहनकर आप क्लासी और स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

पटोला साड़ी

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने पटोला साड़ी पहनकर ढेर सारी सुर्खियां बटोरी थीं। पटोला साड़ी में एक्ट्रेस गजब की खूबसूरत लग रही थीं। ऐसे में अगर आप भी बोल्ड लुक कैरी करना चाहती हैं तो एक्ट्रेस की तरह पटोला साड़ी बनवा सकती हैं।

पैंटसूट

पैंटसूट भी आपके लुक को क्लासी दिखाने में मदद करता है। ऐसे में आप अपनी साड़ी से पैंटसूट बनवा सकती हैं। जिसे आप कभी भी कैरी कर सकती हैं।

ब्लेजर और पैंट

अगर आप घर के साथ ऑफिस भी जाती हैं तो साड़ी से आप ब्लेजर और पैंट बनवा सकती हैं। इसे पहनने से आपको स्टाइलिश लुक मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक दाऊद फुरकान हिन्दी द्वारा राज तरूण आफसेट एल०जी०एफ०-5 अंसल सिटी सेंटर, निकट यूपी प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 554क/142-डी, अर्जुन नगर, आलमबाग, लखनऊ , उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। Email: anytimenewsllp@gmail.com, website: www.anytimenews.today, RNI-UPHIN/2015/62641